अंग्रेज़ी की समकालीन स्त्री-कविता

जुगलबन्दी

चयन एवं अनुवाद

रेखा सेठी

वाणी प्रकाशन

प्रकाशन के उत्कृष्टतम 62 वर्ष

सजिल्द प्रथम संस्करण : 2025

vaniprakashan.com

वाणी प्रकाशन

4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110 002

फ़ोन : + 91 11 23273167, 23275710

शाखाएँ

अशोक राजपथ, पटना-800 004, बिहार

कॉफ़ी हाउस कैम्पस, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज-211 001, उत्तर प्रदेश

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा-442 001, महाराष्ट्र

sales@vaniprakashan.in

vaniprakashan@gmail.com

Jugalbandi

Selected & Translated by Rekha Sethi

ISBN : 978-93-6944-228-7

Poetry Collection

© रेखा सेठी

मूल्य : ₹ 675

इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी माध्यम में उपयोग
करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

आर. टेक ऑफ़सेट, दिल्ली-110 032 में मुद्रित

वाणी प्रकाशन का लोगो मक़बूल फ़िदा हुसैन की कूची से

अनुक्रम

भूमिका 7

अनिता नाहल 21

- काली की वंशज हम महिलाओं में क्या ग़लत है?
- एक अश्वेत की जान लेना कितना आसान है
- नहाते हुए क्यों झरते हैं मेरे आँसू
- मैं एक नये ज़माने की 'वृद्ध' होती स्त्री हूँ

अरुंधति सुब्रमण्यम 31

- जब ईश्वर एक यात्री हो
- और एक तरह से
- घर
- जब पृथ्वी का एक दृश्य स्त्री बन जाये

उषा अकेला 41

- एक स्त्री कवि का चित्र
- बहुत हुआ
- काफ़ी नहीं है
- न लिख सकती/न लिखूँगी मैं, एक श्वेत पुरुष कवि के समान

के. श्रीलता 54

- इतनी दूर आकर
- अटक जायेंगे हमारे दिन कँटीले झाड़ में

- एक कमरे के घर में तीन औरतें
- वृद्ध होती स्त्री के बारे में एक बात

गायत्री मजूमदार 63
- क्रान्तिचेताओं के सम्मान में
- अब मैं वह बूढ़ी औरत हूँ
- सोचे हुए के बाद में
- घड़ी की सुइयाँ

तिशानी दोषी 75
- लड़कियाँ जंगल से बाहर आ रही हैं
- वह औरत
- मैंने पाया एक गाँव और उसमें थीं हमारी सभी गुमशुदा औरतें
- प्यार की कविता

नबीना दास 86
- मिटाना
- प्यार और फ़रेब
- न युद्ध, न आँसू
- अनिमा लिखती है एक ख़त अपने घर

प्रिया सरुक्कई छाब्रिया 97
- समय का समाहार : कालिदास से संवाद
- जीवन गीत गाओ
- प्रार्थना : पानी का स्वभाव
- किनारा

बसुधरा रॉय 107
- एक कवि से प्रेम करते हुए
- घर की बातें
- गोधूलि-वेला में स्त्री

- बनारस-1

ममंग दई 116

- नदी
- मृत्यु
- प्रार्थना पताकाएँ-2
- तैरता टापू

मालाश्री लाल 126

- घर-बेघर
- नदियाँ
- मातृत्व की प्रतीक्षा में
- कश्मीर : एक सुबह

मीना कंदसामी 134

- एक बिंदास औरत एक शब्द की तलाश में
- शहीद
- बदनाम गली की लड़कियाँ
- एक मौन पत्र

मेनका शिवदसानी 144

- सम्पूर्णता
- हर स्त्री एक द्वीप है
- पतंगें
- असमाप्त यात्राएँ

राधा चक्रवर्ती 155

- छूटे हुए फन्दे
- आग की लपटों के बीच चलते हुए
- ख़ामोशी का जमघट
- शान्तिनिकेतन की खोज में

लक्ष्मी कण्णन 163

- गोमती
- रससुन्दरी
- महाप्रजापति
- तुम मिलना चाहो तो

विनीता अग्रवाल 173

- प्यार के बारे में सोचते हुए
- नदी से मैं कहती हूँ मैं प्रार्थना करूँगी फिर से
- कहाँ से आती हूँ मैं
- काली की दस भुजाएँ

संजुक्ता दासगुप्ता 183

- सीता की बहनें
- एक सोये हुए गाँव की दास्तान
- पतझड़
- मेरी माँ का हारमोनियम

सुकृता 194

- चूड़ियाँ पहनने की कला
- अब मैं जानती हूँ
- मोटरसाइकिलों पर औरतें
- नन्ही कविताएँ